CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-229
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

सपने देखना तो बस शुरुआत है, सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है

बिहार सिटी चीफ

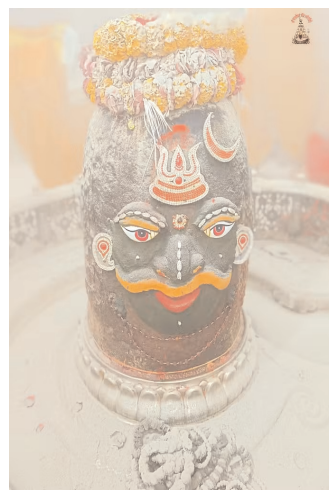

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, रविवार 24 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चंपारण यात्रा से पहले पूर्वी चंपारण में शराब माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई

एसपी ने खंगाल लिया 9538 माफियाओं के क्राइम का इतिहास

मोतिहारी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं. सीएम नीतीश अपनी यात्रा के क्रम में चंपारण भी पहुंचेंगे और इसके तहत जीविका दीदियों को संबोधित करेंगे. इस बीच मुख्यमंत्री के जिला आगमन से पहले पूर्वी चंपारण जिला पुलिस प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है और पूर्वी चंपारण जिले के 9538 शराब माफियाओं की कुंडली तैयार की है. अपराधियों की जो सूची एसपी कार्यालय से जारी हुई है उसमें शराब कांड में फरार कारोबारी, 1273 जमानत पर छूटे हुए कारोबारी 5755 और संदिग्ध शराब कारोबारियों की संख्या 2510 है. मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने यह सख्त निर्देश भी दिया है कि शराब माफियाओं को किसी तरह के कोई व्यक्ति भी

पनाह नहीं दे. एसपी ने कहा है कि शराब माफियाओं के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई शुरू हुई है जो आगे भी जारी रखी जाएगी. शराबबंदी कानून का मजाक उड़ाने वालों पर हर हाल में कार्रवाई होगी. पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने पहले ही स्थानीय थाना प्रभारी और चौकीदार को यह बड़ी जिम्मेदारी दी थी कि वह अपने-अपने पंचायत में थानों के इलाके में शराब माफियाओं की पूरी लिस्ट तैयार करें, ताकि उन पर कड़ी कार्रवाई की जा सके बता दें कि पूर्वी चंपारण जिले की आबादी का महज कुछ हिस्सा ही शराब कारोबार में जुटा हुआ है. ऐसी स्थिति में एसपी ने सख्त निर्देश दिया है कि जमानत पर आए कारोबारी शराब के कांडों में फरार अभियुक्त जो सक्रिय हैं, शराब कारोबारी के साथ-साथ वैसे शराब माफियाओं की भी गतिविधि पर पूरी नजर रखी जाए. वहीं, पुलिस प्रशासन की यह कोशिश है कि शराब के कारोबार से अर्जित धन को भी कानून के तहत जब्त करवाने की कोशिश की जाएगी ताकि शराब कारोबारी में हड़कंप मच सके. बता दें कि पूर्वी चंपारण जिला नेपाल सीतामढ़ी गोपालगंज शिवहर और मुजफ्फरपुर से सटा हुआ इलाका है. पूर्व में बागमती नदी, पश्चिम में गंडक नदी और बीच में बूढ़ी गंडक नदी के दियारा इलाके में बड़े पैमाने पर देसी शराब के भी कारोबार फल-फूल रहे थे. लेकिन, मोतिहारी पुलिस के एक्शन से लगातार शराब कारोबारी पकड़े जा रहे हैं और भट्ठियों को बर्बाद किया जा रहा है.

संभल की घटना पर भड़के गिरिराज सिंह

कहा- यह लोकतंत्र पर हमला

केंद्रीय मंत्री सह बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के संभल में सर्वे टीम पर हमले के बाद सियासत गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। कहा कि अब देश में जिहादी लोग शरिया कानून स्थापित करना चाहते हैं। भारत के लोकतंत्र खत्म कर शरिया कानून स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि कानून के तहत सर्वे की टीम वहां गई थी। अगर कानून पर हमला है। यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र सहित भारत पर हमला है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस हमले से देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

अब्दुल्ला सरकार और कांग्रेस पर हमला बोला गिरिराज सिंह ने अब्दुल्ला सरकार और कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की सरकार ने जिस तरह से हिंदुओं के घरों को बुलडोजर चलाने का काम किया है। वह सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला है। भले ही फारूक अब्दुल्ला की सरकार हो पर कांग्रेस ही वहां लीड कर रही है। कांग्रेस तत्काल ही इस पर इस्तीफा दे दे नहीं तो इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस को लेनी पड़ेगी। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर तंज करते हुए कहा कि फारूक अब्दुल्ला हर वक्त आतंकवाद के समर्थक रहे हैं। हिन्दू विरोधी रहे हैं। कांग्रेस वहां लीड कर रही है इसलिए कांग्रेस को देश के लोगों से माफी मांगनी पड़ेगी।

कांग्रेसी देश को टुकड़े-टुकड़े में बांटना चाहते हैं गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्षी चाहते हैं कि देश में गृह युद्ध हो। इतनी बड़ी घटना हुई लेकिन अभी तक कांग्रेस की जुबान बंद है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि कांग्रेस भी उन लोगों के समर्थन में है। अब कांग्रेस विपक्ष के भी लायक भी नहीं है। इस दौरान महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेस की यह पुरानी नीति है। देश के बाहर जाएंगे भारत को गाली देंगे। दक्षिण में जाएंगे उत्तर को गाली देंगे। कांग्रेसी देश को टुकड़े-टुकड़े में बांटना चाहते हैं।

14 साल की लड़की के साथ गंदा काम करता रहा चार बच्चों का बाप

दो माह की प्रेग्नेंट हुई तो हुआ खुलासा

मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चार बच्चों के पिता ने 14 साल की लड़की का यौन शोषण किया है। जब वह दो माह की गर्भवती हुई तो उसे तीन दिनों तक गायब रखा। परिजनों ने काफी खोजबीन की तो पता चला कि इलाके के ही शख्स ने ही इस घटना के अंजाम दिया। फौरन परिजन पुलिस के पास गए। इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से लड़की को सकुशल बरामद किया। जब परिजनों को पता चला कि उनकी बेटी दो माह की गर्भवती है तो वह दंग रह गए। परिजनों ने जब आरोपी से शिकायत की उसने जान से मारने की धमकी दी। परिजन न्याय की गुहार लगाने पुलिस के पास पहुंचे। हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। बंदरा प्रखंड के पियर थाना क्षेत्र के एक गांव की है।

मां बोली- बेटी को प्रेम जाल में फंसा लिया पीड़िता की मां ने कहा कि मेरे घर के बगल में ही आरोपी का खेत है। वहां आने जाने के क्रम में मेरी एक नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसा लिया। यही नहीं इसकी भनक तक नहीं लगने दी गई। करीब तीन दिन से मेरी पुत्री घर से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चल रहा था। इसके बाद लोगों की मदद से शनिवार को पुत्री को बरामद कर लिया। मेरी पुत्री ने बताया कि वह दो महीने की गर्भवती है। उक्त युवक की बच्चे की मां बनने वाली हूं। और आरोपी तीन दिन से हमे दूसरे जगह पर रखे हुआ था। वह युवक पहले से शादीशुदा और चार बच्चे का बाप है। विरोध करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दिया जा रहा था और अब हमें न्याय चाहिए।

पुलिस ने दो घंटे के अंदर आरोपी को किया गिरफ्तार मामले की शिकायत मिलने के बाद एक्शन में आई हुई पुलिस ने कार्रवाई किया। आरोपी को पकड़ा गया है। इधर, इस मामले में पियर थानाध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि एक पीड़ित के लिखित दिए गए आवेदन के महज दो घंटे के अंदर में आरोपी विष्णुपुर मेहसी निवासी मो मुनिफ को गिरफ्तार कर लिया गया। बच्ची की जांच करवाई जा रही है। वही आवश्यक पूछताछ एवं कागजी प्रक्रिया उपरांत आरोपी को कोर्ट भेजा गया है। आरोपी के खिलाफ में मामले को दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

सभी 4 सीटों पर NDA की जीत

CM नीतीश के आवास पहुंचेंगे राजग के नेता

पटना, बिहार में NDA गठबंधन के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। राज्य में 4 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में सभी सीटों पर एनडीए के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। बिहार में बेलागंज, इमामगंज, रामगढ़ और तरारी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराया गया था। आपको बता दें कि अगले साल 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में उपचुनाव में सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत से राजद-कांग्रेस गठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

कहां कौन जीता? बेलागंज विधानसभा उपचुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) की मनोरमा देवी को 73334 वोट मिले। उन्होंने 21391 वोट से चुनाव जीता। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय जनता दल के विश्वनाथ कुमार सिंह रहे जिन्हें 51943 वोट मिले। वहीं, तीसरे नंबर पर जन सुराज पार्टी के मोहम्मद अमजद रहे जिन्हें 17285 वोट मिले।

इमामगंज विधानसभा उपचुनाव में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) की दीपा कुमारी को 53435 वोट मिले और उन्होंने 5945 वोटों से चुनाव जीत लिया। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय जनता दल के रौशन कुमार रहे जिन्हें 47490 वोट मिले। वहीं, तीसरे नंबर पर जन सुराज पार्टी के जीतेंद्र पासवान रहे जिन्हें 37103 वोट मिले।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अशोक कुमार सिंह ने 62257 वोट पाकर चुनाव जीत लिया। उन्होंने 1362 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। दूसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी के सतीश कुमार सिंह यादव रहे जिन्हें 60895 वोट मिले। तीसरे नंबर पर राष्ट्रीय जनता दल के अजीत कुमार सिंह रहे जिन्हें 35825 वोट मिले। वहीं, चौथे नंबर पर जन सुराज पार्टी के सुशील कुमार सिंह रहे जिन्हें 6513 वोट मिले।

तरारी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के विशाल प्रशांत ने जीत हासिल की। उन्हें 78755 वोट मिले और उन्होंने 10612 वोटों से जीत हासिल किया। दूसरे नंबर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (लिबरेशन)ते राजू यादव रहे जिन्हें 68143 वोट मिले। तीसरे नंबर पर जन सुराज पार्टी की किरण सिंह रही जिन्हें 5622 वोट मिले।

13 नवंबर को हुआ था मतदान बिहार की इन चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान कराए गए थे। इन विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा विधायकों के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उपचुनाव हुए हैं। चुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ राजग, विपक्षी महागठबंधन और नवगठित जन सुराज पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे थे। इस उपचुनाव को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा था।

सदर अस्पताल में शराब पार्टी वीडियो वायरल, 5 गिरफ्तार

नीतीश के ड्रीम कानून की किसने उड़ाई धज्जी

पटना, बिहार में पूर्ण शराबबंदी है। पर सरकारी संस्थानों में भी नीतीश कुमार के इस ड्रीम कानून की धज्जी उड़ाई जा रही है। ताजा मामला कैमूर का है जहां सदर अस्पताल के सीटी स्कैन केन्द्र में बर्थ-डे मनाई गयी जिसमें अस्पताल में सेवा देने वाले कर्मियों ने ही शराब पार्टी कर दी। शराब गटकने का वीडियो वायरल होने के बाद खलबली मच गई। वायरल वीडियो के आधार परछापेमारी करके पुलिस ने पांच कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है।

वायरल वीडियो के आधार पर उत्पाद अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार के निर्देश पर उत्पाद थानाध्यक्ष गुजेंश कुमार के नेतृत्व में एएसआई पुष्पांजलि कुमारी व संजय कुमार सिंह की टीम ने सीटी स्कैन केंद्र में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम ऋषिकेश जायसवाल व अस्पताल प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार भी थे। सदर अस्पताल के इमरजेंसी डॉ. कमलेश कुमार द्वारा गिरफ्तार पांचों कर्मियों की मेडिकल जांच की गई। हालांकि इस जांच में शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई। लेकिन, वायरल वीडीयो के आधार पर पांचों कर्मियो को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार सीटी स्कैन संजीवनी संस्था के कर्मी गोपालगंज के कटैया के नेहरारुआकला के आदित्य कुमार, बक्सर मुफसिल थाना क्षेत्र के कलीपुर के पीयुष उपाध्याय, पश्चिम बंगाल के झारप्रभा जिला के वेलियाबाला मालियानांचा के प्रसेन जीत बाला, जलपायीगुड़ी कोतवाली बोसपारा के सुमीरन मजूमदार व हुगली गोगट लक्ष्मीपुर के शैविक कुंद शामिल हैं। मामले को लेकर उत्पाद थानाध्यक्ष गुजेंश कुमार ने बताया कि 21 नवंबर की रात वायरल वीडियो के आधार पर सदर अस्पताल के सीटी स्कैन केंद्र में छापेमारी की गयी। वायरल वीडियों में दिख रहे सीटी स्कैन के पांचों कर्मियों को गिरफ्तार किया गया। प्रथम दृष्ट्या वायरल वीडियो के आधार पर पांचों टेक्निशियन सहित कर्मियों को गिरफ्तार उनका ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए एफएसएल पटना भेजा गया है। पांचों कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर एडीजे टू की अदालत में पेश किया गया। जांच में पता चला कि मजमुदार नामक कर्मी की बर्थ डे पार्टी में शराब का सेवन किया गया। शराब पार्टी का वीडियो कर्मी पीयुष उपाध्याय के मोबाइल से वायरल हो गया। पांचों कर्मी गिरफ्तार कर लिए गए। इस कारण संजीवनी संस्था का सीटी स्कैन केन्द्र बंद हो गया। सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कर्मी बहाल कर सीटी स्कैन जांच कराने का निर्देश दिया गया है।